पापी से महात्मा (क०स)

प्रश्न 1 अंगुलिमाल कौन था और उससे लोग क्यों डरते थे ?

उत्तर- अंगुलिमाल कौशल प्रदेश का एक भयंकर डाकू था। उसने एक हज़ार लोगों को मारने की प्रतिज्ञा कर रखी थी। जब वह किसी की हत्या करता तो उसकी एक उंगली काटकर उसे माला में पिरो लेता था । उसके पास उंगलियों की एक माला बन गई थी, जिसे वह गले में पहने रहता था इसलिए लोग उससे डरते थे ।

प्रश्न-2 आनंद के मना करने पर भी महात्मा बुद्ध उस जंगल में क्यों गए जहां अंगुलिमाल रहता था ?

उत्तर-महात्मा **बुद्ध** अंगुलिमाल को सही रास्ता दिखाकर,प्रजा को उसके आतंक से मुक्त कराना चाहते थे इसलिए आनंद के मना करने पर भी वह जंगल में गए जहां अंगुलिमाल रहता था।

प्रश्न-3 बुद्ध को आते देख अंगुलिमाल ने क्या कहा ?

उत्तर-**बुद्ध** को आते देख अंगुलिमाल ने कहा ठहर जा ! महात्मा **बुद्ध** ने शांत स्वर में कहा मैं तो ठहर गया पर अपने कुकर्मों से तू कब ठहरेगा ?

प्रश्न-4 अंगुलिमाल का हृदय परिवर्तन किस प्रकार हुआ ?

उत्तर- घने जंगल में पहुंचकर महात्मा **बुद्ध** को एक गरजदार आवाज़ सुनाई दी ठहर जा! महात्मा **बुद्ध** ने शांत स्वर में कहा मैं तो ठहर गया पर अपने कुकर्मों से तू कब ठहरेगा । अंगुलिमाल विस्मित सा रह गया यह कैसा मनुष्य है भयभीत होने के बजाय मुझे ठहरने को कहता है । वह तेज़ी से महात्मा **बुद्ध** की ओर बढ़ा, परंतु ठोकर खाकर जमीन पर गिर गया । महात्मा **बुद्ध** ने प्यार से उठाया और पूछा अधिक चोट तो नहीं लगी ? इस सहानुभूति और प्रेम को देखकर अंगुलिमाल का हृदय परिवर्तन हो गया ।

प्रश्न-5 महात्मा बुद्ध ने अंगुलिमाल को कल्याण का क्या मार्ग बताया ?

उत्तर-महात्मा **बुद्ध** ने अंगुलिमाल को कल्याण का यह मार्ग बताया कि तुम प्राणी मात्र से प्यार करो और अपना जीवन परोपकार में लगा दो । इसी में तुम्हारा कल्याण है ।

प्रश्न-6 अंगुलिमाल ने बाद में किन गुणों को अपना लिया ?

उत्तर-अंगुलिमाल में हिंसा का रास्ता त्यागकर अहिंसा, सत्य और धर्म का मार्ग अपना लिया ।वह **बौद्ध**- भिक्षु बन गया और धर्म के मार्ग पर चलते हुए तथा धर्म का प्रचार करते हुए उसने अपना सारा जीवन बिता दिया ।

****